

*Saroj*



**MUBARAK SILK SAROSKI**

**VOL-1**



1001



1002



1003



1004



1005



1006



# Saroj

सर्व सत्येश्वरी नोके मत्वे धर्मः स्मरितः ।  
 सत्यमुनिं सर्वाणि कल्याणानि पा पाप्म ॥  
 तुम सृष्टि, पालन को करता की शक्ति प्राप्त,  
 सनातनी देवे, तुम्हें का आधार तथा सर्वगुणमयी हो  
 नाशयित्री: तुम्हें नमस्कार है ।



1001

1002



1003

1004



1005

1006

